प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – समाज
समाज शास्त्र (Sociology)
कक्षा – बारहवीं
सेट–ए

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

Time- 3 Hours **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।
iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक
iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 24 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।
v. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखना है।
vi. प्रश्न क्रमांक 11 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।
vii. प्रश्न क्रमांक 18 से 22 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।
viii. प्रश्न क्रमांक 23 तथा 24 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.
ii. Please the instructions carefully before writing the answer.
iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.
iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 24.
v. Q. No. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be given in about 30 words.
vi. Q. No. 11 to 17 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.
vii. Q. No. 18 to 22 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.
viii. Q. No. 23 and 24 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्र1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

1. हमारे देश का नाम 'भारत' महान सम्राट ...... के नाम पर पड़ा।
2. भारत में पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति सन्.......... में घोषित की गई।
3. सन् 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या..........थी।
4. भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में..............धर्म को मानने वाले लोग बहुसंख्यक है।
5. स्वतंत्र भारत में हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम सन् ....में पारित किया गया।

Q.1 Fill in the blanks of following -

1. The name of our country Bharat in on the name of great empear..........
2. The National Education policy in India was passed in the year............
3. As per the cenrus of 2001 in India the papulation of scheduled tribes were.........
4. In India's eartern narthern states the followes of............religion are called majority.
5. In Independent India Hindu act was passed in the year.............

प्र.2 निम्न में से सही विकल्प का चयन कीजिये –

1. भारत का नया संविधान लागू हुआ –

अ	सन 1947 से	ब	सन् 1950 से
स.	सन् 1951 से	द	सन् 1952 से

2. भारतीय समाज के अध्ययन के लिए किस लेखक ने चार उपागमों का उल्लेख किया –

अ	एम.एन. श्रीनिवास	ब	मैकिम मैरिएट
स.	एस.सी. दुबे	द	योगेन्द्र सिंह

3. भारत में जाति तथा वर्ग पुस्तक के लेखक का नाम है –

अ	जी.एस. धुरये	ब	के.एम. कापड़िया
स.	डी.पी. मुकर्जी	द	एस.सी. दुबे

4 निम्नांकित में से कौन सी एक दशा औद्योगिक समाज की विशेषता नहीं है–

अ हस्त शिल्प का विकास ब बढ़ी मात्रा में उत्पादन

स. व्यक्तिगत लाभ की प्राप्ति द नई प्रौद्योगिकी का उपयोग

5 भारत में दसवीं पंचवर्षीय योजना किस वर्ष पूरी हुई –

अ सन 2007 ब सन 2006

स. सन 2005 द सन 2008

Q.2 Choose the correct option -

1. The New constitution of India was applied -

(a) From year 1947 (b) From year 1950

(c) From year 1951 (d) From year 1952

2. To study Indian society which author has explained the four approaches -

(a) M.N. Shriniwas (b) Mekin Mariat

(c) S.C. Dubey (d) Yogendra Singh

3. The name of the writer of the book Caste and Class in India -

(a) G.S. Ghurye (b) K.M. Kahadia

(c) D.P. Mukerjee (d) S.C. Dubey

4. Among the following which one is not a feature of industrial society.

(a) Development of handicraft (b) Production of large scale

(c) Tendercy of personal profit (d) Use of new technology.

5. In which year the 10th five years plan completed -

(a) year 2007 (b) year 2006

(c) year 2005 (d) year 2008

प्र3 सही जोड़ी बनाइये –

मार्टिन लूथर		1.	बौद्ध धर्म
अर्जुन देव		2.	जैन धर्म
सिद्धार्थ		3.	गुरु ग्रन्थ साहिब
जीसस क्राइस्ट		4.	ईसाई धर्म
वर्द्धमान महावीर		5.	न्यू टेस्टामेण्ट

Q3 **Match the following -**

1.	Martin Luthar	:	Buddha religion
2.	Arjun Dev	:	Jain religion
3.	Siddhartha	:	Guru Granth Saheb
4.	Jejus christ	:	Christion religion
5.	Vardhaman Mahaveer	:	New Testament

प्र4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिये –

1. सोशल चेन्ज इन मॉडर्न इण्डिया पुस्तक के लेखक का नाम क्या है?

2. मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेजीशन (भारतीय परम्परा का आधुनिकीकरण) के लेखक का नाम क्या है?

3. आर्य समाज की स्थापना किसने की?

4 फैक्स, इन्टरनेट तथा टेलीफोन जैसी सुविधाओं को किस वर्ग में सम्मिलित करते है?

5 पारिवारिक मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय साधन कौन सा है?

Q.4 Answer the following questions in one word.

1. Write the name of the writer of the book "Social Change in Morem India?
2. What is the name of the writer of the book Modermization of Indian Tradition?
3. Who was the founder of Arya Samaj?
4. In which category include facilities like as fax, Internet and Telephone?
5. Which means of ENTERTAINMENT is most popular for family?

प्र.5 निम्नांकित कथनों में सत्य / असत्य बताइये।

1. भारत में भूमि सुधार की प्रक्रिया सन 1935 से प्रारंभ हुई।

2. भारत में उदारीकरण की प्रक्रिया को पूर्व प्रधान मंत्री नरसिम्हा राव ने आरंभ किया

3. भारत में राष्ट्रीय बीज निगम की स्थापना सन 1974 में की गई।

4. भूमि सुधारों के फलस्वरूप ग्रामीण समुदाय में एक नए मध्यम वर्ग का प्रदुर्भाव हुआ।

5. औद्योगीकरण के बिना नगरीकरण संभव नही होता।

Say True or False of the following -

1. The process of land reform started in the year 1935 in India.
2. The process of Libaralization started by the ex-prime minister Narsimha Rao in India.
3. National seed carporation was established 1974 year in India?
4. The new middle class arised due to the reslut of land reform in rural community.
5. Urbanization is not possible with out industrialization.

प्र.6 भारत के पूरब में हिन्दूओं का कौन सा प्रमुख तीर्थ स्थान स्थित है?

अथवा

भारत में शांति निकेतन की स्थापना किसने की?

Q.6 Which of the Hindu pilgrimages is situated in the east of India?

Or

Who Established the Shanti Niketan in India?

प्र.7 जनांकिकी शब्द का प्रयोग सबसे पहले किस लेखक ने किया?

अथवा

जाति एक बन्द वर्ग है। यह परिभाषा किसने दी?

Q.7 Which Author used first the word Demography?

Or

Caste is a closed class. who give this defination?

प्र.8 उपागम का अर्थ क्या है?

अथवा

चार उपागमों के नाम लिखिए।

Q.8 What is the meaning of approach?

Or

Write the name of four approaches.

प्र.9 वर्तमान युग में सांस्कृतिक परिवर्तन का सबसे प्रभावपूर्ण साधन क्या है?

अथवा

परिवार पड़ोस तथा नातेदारों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा को कौन सी शिक्षा कहा जाता है?

Q.9 What is the most effective means of cultural change at present?

Or

What is called the education provided by the family, neighbour, Kinship?

प्र.10 भारत में रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की?

अथवा

उन्नीसवी सदी में किसने बंगाल में समाज सुधार आंदोलन आरंभ किया?

Q.10 Who was the founder of Ramkrishana Mission in India?

Or

Who Started the social reform movement in Bengal in Nineteenth country?

प्र.11 भारत विभिन्नताओं का देश है? विवेचना कीजिये।

अथवा

भारतीय समाज की विभिन्नता में एकता से संबंधित पांच तत्वों की विवेचना कीजिये।

Q.11 Describe the India is a country of diversities.

Or

Describe the five elements of unity in diversity of Indian society.

प्र.12 भारत में जनसंख्या वृद्धि के कोई चार कारण लिखिये?

अथवा

भारत में जनांकिकीय की कोई चार विशेषताऐं लिखिये?

Q.12 Write any four causes of population growth in India?

Or

Write any four characteristics of demographic in India?

प्र.13 ग्रामीण समुदाय की कोई पांच विशेषतायें लिखिये?

अथवा

नगरीय समुदाय की कोई पांच विशेषताऐं लिखिये?

Q.13 Write any five features of rural community.

Or

Write any five features of urban community.

प्र.14 हिन्दू एवं मुस्लिम विवाह में कोई चार अंतर लिखिये?

अथवा

ईसाई विवाह की कोई चार विशेषताऐं लिखिये?

Q.14 Write any four difference between Hindu and Muslim Marriage.

Or

Write the any four characteristics of Christian marriage.

प्र.15 भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की व्याख्या कीजिये?

अथवा

'स्वतंत्र भारत में शिक्षा' विषय पर समाजशास्त्री लेख लिखिये।

Q.15 Explain the national education policy in India.

Or

Write a sociological article on 'Education in Independent India'.

प्र.16 औद्योगीकरण के अर्थ को स्पष्ट कीजिये? भारतीय समाज को औद्योगीकरण नें किस तरह प्रभावित किया है?

अथवा

पश्चिमीकरण की अवधारणा तथा प्रमुख पांच विशेषताऐं लिखिये।

Q.16 Explain the meaning of industrialization ? How Indian society effected by industrialization ?

Or

Write the concept and main five features of westernization.

प्र.17 भारतीय समाज में शिक्षा से संबंधित कोई 5 समस्याऐं लिखिये?

अथवा

जनसंचार के साधनों की विवेचना कीजिय।

Q.17 Write any five problems related with education in Indian society.

Or

Discuss the main means of mass media.

प्र.18 जनजाति का अर्थ तथा प्रमुख विशेषताऐं लिखिये?

अथवा

वर्ग का अर्थ लिखते हुए जाति तथा वर्ग में अंतर लिखिये।

Q.18 Write the meaning and main features of Tribes.

Or

Write the meaning of class and difference between caste and class.

प्र.19 संयुक्त परिवार के गुण एवं दोष लिखिये?

अथवा

भारत में मिश्रित संस्कृति को प्रोत्साहन देने वाले प्रमुख आधारों का वर्णन कीजिये?

Q.19 Write the functions and dysfunctions of joint family.

Or

Explain the main bases of composite culture in India.

प्र.20 भारत में अनुसूचित जनजातियों की कोई चार समस्याऐं लिखिये?

अथवा

भारत में अल्प संख्यकों की कोई चार समस्याऐं लिखिये?

Q.20 Write any four problems of schedule tribes in India.

Or

Write any four problems of minorities in India.

प्र.21 भारतीय संविधान द्वारा दिये गये मौलिक अधिकारों को संक्षेप में लिखिये?

अथवा

भारत में नियोजन के कोई चार उद्देश्य लिखिये?

Q.21 Write shortly the fundamental rights given by the Indian constitution.

Or

Write any four objectives of planning in India

प्र.22 सामाजिक आंदोलन की उत्पत्ति के सैद्धांतिक आधार क्या हैं?

अथवा

सामाजिक आंदोलन की अवधारणा तथा तीन विशेषताओं को लिखिये?

Q.22 What are the theorical bases at theorigin of social movements.

Or

Write the concept and three features of social movement.

प्र23 भारत में राज्य के सामने मुख्य चुनौतियां कौन सी हैं?

अथवा

भारत में शिक्षा की समस्याओं को दूर करने के कोई छः उपाय लिखिये।

Q.23 Which are the main challenges before the states in India.

Or

Write any six suggestions to remove the problems of Education in India.

प्र24 भारत में हरित क्रांति से संबंधित चार कार्यक्रमों को लिखिये?

अथवा

वैश्वीकरण का क्या अर्थ है? वैश्वीकरण की कोई छः विशेषताऐं लिखिये।

Q.24 Write four programme of green revolution in India.

Or

What is the meaning of globalization ? Write any six feature of globalization.

- - - - - - -

माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल

आदर्श उत्तर

(Model Answer)

समाज शास्त्र

(**Sociology**)

कक्षा – 12वीं

Time - 3 hours **M.M. 100**

उ1	रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये :	05
(अ)	भारत	
(ब)	1976	
(स)	84 करोड़	
(द)	ईसाई	
(ई)	1956	
उ2	सही विकल्प चुनिये –	05
1.	सन 1950 से	
2	योगेन्द्र सिंह	
3.	जी.एस. धुरये	
4.	हरिजन का विकास	
5.	सन 2007	

उ 3 सही जोड़ियां – 05

1. ईसाई धर्म
2. गुरु ग्रंथ साहिब
3. बौद्ध धर्म
4. न्यूटेस्टामेंट
5. जैन धर्म

उ 4 एक शब्द में उत्तर –

1. एम एन श्रीनिवास
2. डॉ. योगेन्द्र सिंह
3. स्वामी दयानन्द
4. दूरसंचार
5. टेलीविजन

उ. 5 सत्य / असत्य – 05

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य
5. असत्य

उ6 जगन्नाथ पुरी। 02

अथवा

रविन्द्रनाथ टैगोर

उ7 गुइलार्ड 02

अथवा

मजूमदार

उ8 उपागम अध्ययन का वह तरीका या दृष्टिकोण है जिसके आधार पर किसी विशेष सामाजिक तथ्य की विवेचना की जाती है। 02

अथवा

1. भारतीय विद्याशास्त्रीय उपागम
2. सांस्कृतिक उपागम
3. संरचनात्मक उपागम
4. ऐतिहासिक उपागम।

उ9 जन संचार 02

अथवा

अनौपचारिक शिक्षा

उ.10 स्वामी विवेकानन्द

अथवा

राजा राम मोहन राय।

उ.11 भारत की भौगोलिक विविधता के साथ ही भारतीय समाज में धार्मिक, भाषायी, प्रजातीय, जातिगत, सजातीय तथा जनसंख्या संबंधी भिन्नतायें भी बहुत स्पष्ट रूप से देखने को मिलती हैं। विभिन्न समूहों की सांस्कृतिक विशेषताओं, व्यवहार, नियमों, खानपान, वेशभूषा और व्यवहारिक जीवन में बहुत अंतर है। इस आधार पर प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक भिन्नताओं को समझा जाए जो इस समाज का अभिन्न अंग बन चुकी हैं।

1. धार्मिक भिन्नताऐं।
2. भाषायी भिन्नताऐं।
3. सांस्कृतिक भिन्नताऐं।
4. प्रजातीय भिन्नताऐं।
5. सजातीय भिन्नता।

अथवा

भारतीय समाज में एकता के तत्व –

1. भारतीय समाज में विभिन्न धार्मिक केन्द्र अखिल भारतीय स्तर पर सामाजिक, सांस्कृतिक एकता को बढ़ाने में सबसे अधिक योगदान करते रहे हैं।
2. हमारी संस्कृति दूसरी संस्कृति की तुलना में धार्मिक और सामाजिक त्यौहारों तक की संख्या सबसे अधिक है।
3. अतीत में भारतीय संस्कृति के आदर्शों को अनेक महाकाव्यों में स्पष्ट किया है।
4. भारतीय समाज की सांस्कृतिक पहचान में आध्यात्मवाद और कर्मफल की अवधारणा का बहुत अधिक महत्व रहा है।
5. भारतीय समाज का विभाजन अनेक वर्णों में होने के बाद भी परम्परागत रूप से यहां जजमानी व्यवस्था विकसित की गई है।

उ 12 जनसंख्या वृद्धि के कारण – 04

1. अशिक्षा – अशिक्षा के फलस्वरूप व्यक्ति परिवार में अधिक बच्चों के जन्म से होने वाली हानियों को नही समझ पाते जो समाज की प्रगति में बाधक हैं।

2. निम्न जीवन स्तर – निम्न जीवन स्तर और जनसंख्या वृद्धि के बीच एक प्रत्यक्ष संबंध है। निम्न स्तर के कारण माता–पिता बच्चों के पालन–पोषण पर अधिक ध्यान नहीं दे पाते जिससे बच्चों में अपने दायित्वों को समझने की जागरूकता विकसित नहीं होती।

3. बाल विवाह – बाल विवाह प्रथा के कारण पति पत्नि को बच्चों को जन्म देने के लिये कई अधिक समय मिल जाता है।

4. संयुक्त परिवार – संयुक्त परिवार व्यवस्था के कारण साधनों की कमी के बाद भी अधिक संतानों के और उनके पालन–पोषण को एक समस्या के रूप में नही देखा जाता।

अथवा

जनांकिकीय की विशेषताऐं –

1. भारत में स्वतंत्रता के बाद जन्म–दर और मृत्यु दर दोनों में कमी होने के बाद भी हमारी जनसंख्या का आकार बहुत तेजी से बढ़ा है।

2. भारतीय जनसंख्या में विभिन्न धर्मों और संप्रदायों से संबंधित लोगों का समावेश है।
3. गांवों में साक्षरता की कमी होने के साथ ही संयुक्त परिवारों का प्रचलन अधिक है। इसके फलस्वरूप बढ़ती जनसंख्या के प्रति ग्रामीणों में कोई जागरूकता नहीं है।
4. भारत में जीवन अवधि तुलनात्मक रूप से कम होने के कारण जनसंख्या में अनुभवी लोगों की काफी कमी है।

उ13 ग्रामीण समुदाय की विशेषताऐं – 05

1. कृषि मुख्य व्यवसाय – ग्रामीण समुदाय में अधिकांश व्यक्ति खेती से जुड़े हुए व्यवसायों द्वारा आजीविका उपार्जित करते हैं।
2. छोटा आकार – साधारणतया गांवों में रहने वाले अधिकांश व्यक्ति एक दूसरे के नातेदार होते हैं। अत समुदाय का आकार छोटा होता है।
3. प्राकृतिक पर्यावरण – ग्रामीण समुदाय का जीवन प्राकृतिक दशाओं से अधिक प्रभावित होता है।
4. परिवार – समाजीकरण का मुख्य आधार।
5. सादा जीवन – ग्रामीण जीवन की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इनका जीवन सादा और परंपरावादी होता है।

अथवा

नगरीय समुदाय की विशेषताऐं –

1. जनसंख्या की अधिकता – नगर की एक प्रमुख विशेषता दूसरे समुदाय की तुलना में इसका आकार और जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक होना है।
2. सामाजिक विभिन्नता।
3. विकसित प्रौद्योगिकी।
4. श्रम विभाजन और विशेषीकरण।
5. व्यावसायिक भिन्नता।

उ 14 हिन्दू एवं मुस्लिम विवाह में अंतर – 04

1. हिन्दुओं में विवाह एक धार्मिक संस्कार है। मुसलमानों में विवाह को एक सामाजिक समझौता माना जाता है।
2. हिन्दू विवाह एक स्थायी संबंध है। इसे तोडना संस्कृति के विरुद्ध माना जाता है। मुस्लिम विवाह में पुरुष कभी भी अपनी पत्नि को सामाजिक रूप से तलाक दे सकता है।
3. हिन्दुओं में कानून के द्वारा केवल एक विवाह का प्रचलन है। मुस्लिम कानून आज भी पुरुष को चार पत्नियां रखने की अनुमति देते हैं।
4. हिन्दुओं में दहेज प्रथा का प्रचलन है। इसके विपरीत मुसलमानों में 'महर' का प्रचलन है।

अथवा

ईसाई विवाह की विशेषताऐं –

1. ईसाई समुदाय एक शिक्षित और जागरूक समुदाय है। इसलिये इसमें बहुविवाह का प्रचलन बिल्कुल नही पाया जाता।
2. धार्मिक रूप से चर्च द्वारा पति पत्नि के बीच तलाक की स्वीकृति नहीं दी जाती।
3. ईसाईयों में विलम्ब विवाह का प्रचलन है।
4. ईसाई विवाह में पास के नातेदारी के बीच विवाह संबंधों की स्थापना नही की जाती।

उ15 भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 05

भारत में पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में घोषित की गई। इसका उद्देश्य शिक्षा के परंपरागत रूप को बदलकर शिक्षा को सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना, वैज्ञानिक ज्ञान और व्यावसायिक विकास का माध्यम बनाना था। सन् 2001 में सर्व शिक्षा अभियान के रूप में नई नीति घोषित की गई। इसका उद्देश्य सन् 2007 तक सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा की सुविधाऐं उपलब्ध कराना और सन् 2010 तक सभी बच्चों के लिये 8वीं तक शिक्षा देना रखा गया। इस नीति में शिक्षा को बच्चों के स्वास्थ से जोड़ने का भी प्रयत्न किया गया।

अथवा

स्वतंत्र भारत में शिक्षा –

भारत में जब राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन काफी जोर पकड़ने लगा तब धीरे धीरे इस बात की संभावना बढ़ने लगी कि जल्दी ही भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बन जाएगा। उसी समय महात्मा गांधी नें घोषणा की कि अंग्रेजी ढंग की शिक्षा बच्चों को चतुर्दिक विकास में बाधक है क्योंकि यह शिक्षित लोगों को अशिक्षित लोगों से दूर ले जाती है उन्होनें आर्थिक रूप से कमजोर देश के लिये एक ऐसी शिक्षा पर जोर दिया जिसकी सहायता से लोग रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। इस शिक्षा को महात्मा गांधी नें बुनियादी शिक्षा का नाम दिया। स्वतंत्र भारत में शिक्षा संबंधी नीति के बारे में यहां के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विचार महात्मा गांधी से भिन्न थे। नेहरू जी चाहते थे कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था लागू की जाए जो औद्योगिक, तकनीकी और वैज्ञानिक विकास में सहायता दे सके। इसके लिये राधाकृष्ण आयोग की स्थापना की गई। 1964 में दूसरा आयोग स्थापित किया जिसे कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है।

उ16 औद्योगीकरण का अर्थ – 05

औद्योगीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत मशीनों द्वारा बड़ी मात्रा में उत्पादन करके अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रयत्न किया जाता है। इस प्रक्रिया के फलस्परूप आज हमारे सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और ग्रामीण जीवन में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। भारतीय समाज पर औद्योगीकरण के प्रभाव –

1. सामाजिक संरचना में परिवर्तन।
2. आर्थिक जीवन में परिवर्तन।
3. धार्मिक जीवन में परिवर्तन।
4. ग्रामीण जीवन में परिवर्तन।

अथवा

पश्चिमीकरण –

भारत की सांस्कृतिक संरचना में परिवर्तन लाने वाली दूसरी प्रमुख प्रक्रिया को एम. श्रीनिवास नें पश्चिमीकरण के नाम से संबोधित किया। सामान्य बोलचाल की भाषा में पश्चिमीकरण का अर्थ पश्चिमी देशों के समान वेशभूषा, खानपान तथा व्यवहारों के ढंगों को ग्रहण करने से समझा लिया जाता है।

पश्चिमीकरण की विशेषताऐं –

1. एक तटस्थ अवधारणा।
2. एक व्यापक अवधारणा।
3. एक निश्चित आदर्श का अभाव।
4. नए मूल्यों का समावेश।
5. एक जटिल प्रक्रिया।

उ.17 भारत में शिक्षा की समस्या – 05

1. भारत में शिक्षा की सबसे बड़ी समस्या इसमें व्यावहारिक नियोजन का अभाव है।
2. दोषपूर्ण परीक्षा प्रणाली हमारी शिक्षा व्यवस्था की एक अन्य समस्या है।
3. शिक्षा में प्रबन्ध और साधनों की कमी के कारण विद्यार्थियों को वे सुविधाऐं नही मिल पाती जो उनके व्यक्तित्व के विकास के लिये जरूरी हैं।
4. एक अन्य समस्या शिक्षा में राजनैतिक हस्तक्षेप बढ़ना है।
5. वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर समाज के सम्पन्न लोगों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है।

अथवा

जनसंचार के साधन :

वर्तमान युग में जनसंचार के साधनों का महत्वपूर्ण स्थान है –

1. टेलीविजन : वर्तमान युग में टेलीविजन या दूरदर्शन जनसंचार का सबसे प्रभावशाली साधन है।
2. रेडियो : दुनिया के सभी देशों की तरह भारत में भी रेडियो जनसंचार का एक महत्वपूर्ण साधन है।
3. समाचार पत्र पत्रिकाऐं – प्रेस या दूसरे शब्दों में समाचार पत्र या पत्रिकाऐं आज जन संचार का सबसे बड़ा माध्यम है।

4. चलचित्र – इसे हम जनसंचार का दृश्य–श्रव्य माध्यम भी कहते हैं।

5. दूरसंचार : भारत में होने वाली संचार क्रांति में दूरसंचार का मुख्य स्थान है।

उ.19 संयुक्त परिवार के गुण एवं दोष – 06

गुण :

1. व्यक्ति का सामाजीकरण।
2. सामाजिक सुरक्षा।
3. संस्कृति का हस्तांतरण।
4. औपचारिक सामाजिक नियंत्रण।
5. स्वस्थ मनोरंजन।

दोष :

1. व्यक्तित्व विकास में बाधक।
2. सदस्यों में द्वेष और कलह।
3. सामाजिक समस्याओं का पोषण।
4. पीढ़ियों के बीच तनाव।
5. गतिशीलता में बाधक।

अथवा

भारत में मिश्रित संस्कृति को प्रोत्साहन देने वाले मुख्य आधार –

1. धर्मनिरपेक्षता – यह वह सिद्धांत है जो सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण अपनाने पर जोर देता है।
2. सामाजिक समानता – भारत में स्वतंत्रता के बाद एक ऐसी व्यवस्था स्थापित की गई जिसमें विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों और लिंग के बीच किसी तरह का विभेद किये बिना उन्हें विकास के समान अवसर दिये गये।

3 लोकतन्त्रीकरण – स्वतंत्रता के पहले भारत में वैदिक काल से लेकर ब्रिटिशकाल तक हमेशा राजा उसके विश्वासपात्र अधिकारियों और बड़े–बड़े सरदारों का शासन रहा।

4 वैज्ञानिक शिक्षा – परंपरागत रूप से भारत में धर्म प्रधान शिक्षा का प्रचलन था। जो गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी।

5 सांस्कृतिक सहभागिता – भारत में मिश्रित संस्कृति को विकसित करने में विभिन्न अविष्कारों और व्यवहार के तरीकों के आदान प्रदान में भी योगदान किया है।

उ.20 अनुसूचित जनजातियों की समस्याऐं – 04

1. सामाजिक समस्या – मजूमदार तथा मदान नें यह स्पष्ट किया है कि बाहरी समूहों के संपर्क में आने के कारण जनजातियों के परम्परागत सामाजिक संगठन में अनेक परिवर्तन आये हैं।

2 आर्थिक समस्याऐं – जनजातियों की आज एक प्रमुख समस्या गरीबी और बेरोजगारी की है।

3 सांस्कृतिक समस्याऐं – जनजातियों की सांस्कृतिक समस्याओं का मुख्य संबंध ईसाई एवं हिन्दू धर्म को मानने वाले समूहों के संपर्क में आने से है।

4 स्वास्थ्य और पोषण की समस्या – नई शासन व्यवस्था के द्वारा जनजातियों को जड़ी बूटियों के संग्रह पर रोक दिया गया तो उनके सामने पौष्टिक आहार की समस्या पैदा हो गई।

5 शिक्षा संबंधी समस्याएं :– निर्धनता के कारण अधिकांश लोग अपने बच्चे स्कूल भेजने की अपेक्षा उन्हें खेती या मजदूरी के काम में लगाना पसंद करते है।

अथवा

भारत में अल्पसंख्यकों की समस्याऐं –

1. मनोवैज्ञानिक रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लोग यह समझते हैं कि संख्या में कम होने के कारण उन्हें अधिक राजनैतिक अधिकार नहीं मिल सकेंगे।
2. मुस्लिम समुदाय आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को अपनी एक प्रमुख समस्या मानता है।
3. भारत में पूर्वोत्तर राज्यों में जहां ईसाई अल्पसंख्यकों की जनसंख्या काफी अधिक है। उन्हें भी असुरक्षा की भावना के कारण आंदोलनकारी प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।
4. सिक्ख अल्पसंख्यकों का प्रश्न है कि उनका उद्योगों, राजनीति, सरकारी सेवाओं और शिक्षा में अच्छा प्रतिनिधित्व है। इसके बाद भी 25 वर्ष पहले सिक्खों के एक विशेष वर्ग में खालिस्तान के रूप में एक अलग राज्य की मांग करना आरंभ कर दिया।

उ. 21 मौलिक अधिकार – 04

1. समानता का अधिकार – संविधान के द्वारा यह प्रावधान किया गया है कि कानून के सामने सभी लोग समान हैं।
2. स्वतंत्रता का अधिकार – इसके अंतर्गत अनेक ऐसे अधिकारों का उल्लेख है जिनकी सहायता से लोग एक स्वतंत्र जीवन बिता सकें।
3. शोषण से रक्षा का अधिकार – यह व्यवस्था की गई कि किसी व्यक्ति से बेगार नहीं ली जा सकती। बाल श्रमिकों का शोषण नहीं किया जा सकता।
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार – प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी दबाब के किसी भी धर्म के अनुसार व्यवहार कर सकता है।
5. संस्कृति और शिक्षा का अधिकार – देश के प्रत्येक वर्ग के नागरिक का यह अधिकार है।
6. संवैधानिक उपचार का अधिकार – किसी व्यक्ति को अपने मौलिक अधिकारों से वंचित किया जाता है तो उसे अधिकार है कि वह इसके विरूद्ध न्यायालय की सहायता से अपने अधिकारों को प्राप्त कर ले।

अथवा

भारत में नियोजन के उद्देश्य –

1. आर्थिक विकास – नियोजन का सर्वप्रमुख उद्देश्य आर्थिक विकास के द्वारा जनसाधारण के जीवन स्तर में सुधार लाना है।
2. समाज कल्याण – समाज कल्याण का तात्पर्य समाज के दुर्बल वर्गों, महिलाओं, बच्चों तथा असमर्थ लोगों की दशा में सुधार करना है।
3. सामाजिक सुरक्षा – सामाजिक सुरक्षा का संबंध उन सभी कार्यों से है जिनकी सहायता से लोगों के सामाजिक जीवन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है।

4. लोकतांत्रिक संस्कृति का विकास – लोकतांत्रिक व्यवस्था तभी सफल होती है जब देश के सभी नागरिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक जीवन के प्रति अधिक से अधिक जागरूक रहते हैं।
5. कृषि मूल्य आयोग की स्थापना द्वारा किसानों को उनकी उपज का समुचित मूल्य प्राप्त होने लगा। आयोग विभिन्न खाद्यान्नों के उचित मूल्यों का निर्धारण करने के लिये सरकार को सलाह देता है। अनाज खरीदने का काम सरकारी ऐजेंसियां करती है, जिससे किसान स्थानीय व्यापारियों से आज मुक्त हो रहे है।

उ.22 05

समाज शास्त्रियों नें सामाजिक आंदोलन की उत्पत्ति को अनेक कारणों के आधार पर स्पष्ट किया है। एम.एस.ए. राव के अनुसार इसमें तीन दशाऐं अधिक महत्वपूर्ण हैं–

1. तुलनात्मक अभाव बोध एक विशेष समूह में अपनी वर्तमान दशाओं के प्रति असंतोष पैदा करके उन्हें आंदोलन के लिये प्रोत्साहन देता है।
2. समाज की संरचना से संबंधित तनाव व्यवहार के तरीकों को बदलने पर जोर देकर एक विशेष आंदोलन को जन्म देते हैं।
3. पुनर्जीवन का सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि जब कोई समूह या समुदाय समाज में फैली कुरीतियों को दूर करके अपना सुधार स्वयं करना चाहता है तब इससे भी सामाजिक आंदोलन को बल मिलता है।

अथवा

सामाजिक आंदोलन की अवधारणा –

एम.एस.ए. राव नें लिखा है कि "एक सामाजिक आंदोलन समाज में किसी भाग द्वारा समाज में आंशिक या पूर्ण परिवर्तन लाने के लिये किया जाने वाला प्रयत्न है। इसमें एक विचारधारा पर आधारित सामुहिक प्रयत्न शामिल होते हैं।"

सामाजिक आंदोलन की विशेषताऐं –

1. संकट या समस्या।
2. सामूहिक प्रयत्न।
3. एक विचारधारा।
4. निर्धारित उद्देश्य।

5. नेतृत्व तथा संगठन।

उ23 भारत में राज्य के सामने चुनौतियां – 06

1. सामाजिक आंदोलन – एम.एस.ए. राव नें अपनी पुस्तक "भारत में सामाजिक आंदोलन में लिखा है" सामाजिक आंदोलन समाज में किसी भाग द्वारा समाज में आंशिक या पूर्ण परिवर्तन लाने के लिये किया जाने वाला संगठित प्रयत्न है।

2 दबाव समूह हित समूह और संघवाद – दबाव समूह या हित समूह का तात्पर्य उन गुटों से होता है जो सरकार की नीतियों को प्रभावित करने के लिये संगठित होते हैं। इनका उद्देश्य सरकार पर दबाब डालना होता है जिससे उनके हित अधिक से अधिक सुरक्षित रह सकें।

3 साम्प्रदायिकता – भारत में साम्प्रदायिकता का आरंभ ब्रिटिश काल में अंग्रेजों नें 'फूट डालो राज करो' की नीति के अंतर्गत किया।

4 क्षेत्रवाद – वर्तमान दशाओं में क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकीकरण के सामने एक प्रमुख चुनौती है। क्षेत्रवाद वह भावना है जो एक विशेष क्षेत्र के लोगों को प्रत्येक दशा में अपने क्षेत्र की संस्कृति भाषा और संसाधनों के लिये सरकार पर दबाब डालने पर प्रोत्साहन देती है।

5 जातिवाद – राजनीति की भाषा में अपनी जाति के प्रति निष्ठा की भावना ही जातिवाद है।

6 भ्रष्टाचार – आज हमारे देश में राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित विभागों और व्यापारियों में कोई भी वर्ग ऐसा नही है जिसमें भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहराई तक न पहुंच चुकी हों।

अथवा

भारत में शिक्षा की समस्या को दूर करने के उपाय –

1. निजी प्रबंध द्वारा संचालित संस्थाओं पर सरकार का इतना नियंत्रण जरूर होना चाहिये

कि उनके द्वारा छात्रों का आर्थिक और बौद्धिक शोषण न किया जा सके।

2. शिक्षा को राजनीति से अलग रखा जाये। लोकतंत्र में चुनाव का महत्व जरूर है लेकिन शिक्षा संस्थाओं में चुनाव की प्रणाली में एक अस्वस्थ्य का वातावरण किया है। इसे दूर करना जरूरी है।
3. ग्रामीण स्तर पर कृषि उद्योग धंधों तथा दस्तकारी का प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं की व्यापक स्तर पर स्थापना जरूरी है।
4. शिक्षा द्वारा धर्म, जाति, भाषा अथवा क्षेत्र के भेदभाव को समाप्त करने के लिये इस आधार पर संचालित शिक्षण संस्थाओं को प्रोत्साहन नही मिलना चाहिये।
5. एक ऐसी शिक्षा नीति का होना जरूरी है जो देश की वर्तमान जरूरतों और साधनों के अनुकूल हो। शिक्षा नीति में केवल उन्ही उद्देश्यों को शामिल करना चाहिये। जिन्हें वास्तव में प्राप्त किया जा सके।
6. वर्तमान दशाओं में प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित शिक्षा में नैतिक शिक्षा को जरूर शामिल करना चाहिये। क्योंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य ही छात्र का नैतिक और बौद्धिक विकास करना है।

उ24 हरित क्रांति के विशेष कार्यक्रम – 04

1. सर्वप्रथम अधिक उपज देने वाली फसलों के कार्यक्रम लागू किये जिनसे कृषि उत्पादन में वृद्धि की जा सकती थी।

2. सन् 1967–68 से देश में बहुफसल कार्यक्रम आरंभ किया गया। यह साधन खेती के कार्यक्रम का अंग है।

3. हरित क्रांति के लिये जरूरी था कि खेती वर्षा पर निर्भर न रहे। इसके लिये बड़ी छोटी सिंचाई की योजना बनाई गई।

4. कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिये नई तकनीकों और सिंचाई की सुविधाओं के साथ कृषकों को प्रशिक्षण देना भी जरूरी समझा गया।

अथवा

वैश्वीकरण का अर्थ –

वैश्वीकरण के अर्थ को दो आधारों पर स्पष्ट किया है। अधिकांश विद्वानों के अनुसार वैश्वीकरण का तात्पर्य विश्व की अर्थव्यवस्था में एकीकरण की प्रक्रिया से है। जब विभिन्न देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध कम या

समाप्त होने लगते हैं

तथा सभी देश एक दूसरे की प्रौद्योगिकी और अनुभवों का लाभ उठाकर अपना आर्थिक विकास करने लगते हैं। इस दशा को वैश्वीकरण कहते हैं।

वैश्वीकरण की विशेषताएं –

1. सार्वभौमिकरण।
2. एकीकरण।
3. सजातीयता।
4. तकनीकी योग्यता और कुशलता।

———